2 विराट वैभव
राष्ट्रीय अखबार - खोले वैभव के द्वार
12 15 14

# गेम्स में गरीबी को छिपाना खोखलापन

## एनजीओ राबिन रैना फाउंडेशन ने कहा, दुनिया को अपनी वास्तविकता दिखानी चाहिए

**नई दिल्ली।** सामाजिक संस्था 'राबिन रैना फाउंडेशन' के राबिन रैना ने राष्ट्रमंडल खेलों में देश के गर्व के नाम पर गरीबी को छिपाना खोखलापन लगता है, जिस पर मुझे शर्म आती है। अपने देशवासियों की इज्जत करने से राष्ट्रीय गर्व आता है।

उन्होंने बताया कि दक्षिण अफ्रीका में सफल फुटबाल विश्व कप के दौरान विदेशियों को दुनिया के सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती 'सोनहो' दिखाने के लिए खास तौर से ले जाया गया था ताकि विकसित दुनिया एक और तस्वीर से रूबरू हो सके। इसी प्रकार राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान हमें अपनी वास्तविकता को छिपाने के बजाय उसे दुनिया के सामने रखना चाहिए। इस संस्था ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिए विस्थापित करके बवाना में बसाए गए लोगों में से 432 को मुफ्त में मकान बनाकर दिए हैं। इस प्रकार अब तक झुग्गी बस्तियों में रहने वाले कुल 1157 लोगों को मकान बनाकर दिए जा चुके हैं। इस संस्था का दावा किया है कि वह छह हजार लोगों को मुफ्त मकान देगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रमंडल खेलों के लिए करीब 30 हजार लोगों को विस्थापित करके बवाना में बसाया गया और यह देश की एक बड़ी झुग्गी बस्ती में तब्दील हो गया। इन लोगों में से जरूरतमंद लोगों को संस्था प्राथमिकता के आधार पर मकान देगी।■